#NBTCyberSuraksha

NBT साइबर सुरक्षा कवच सेमिनार में एक्सपर्ट ने दी जानकारी

'3 या 4 ट्रांजेक्शन होने के बाद पता चलता है ऑनलाइन फ्रॉड'

Manas.Jha@timesgroup.com

All Pics: Kaushik Raj

कालेजिया लायंस कॉलेज में आयोजित एनबीटी साइबर सुरक्षा सेमिनार में शिरकत करते हुए साइबर एक्सपर्ट्स एवं प्रबंधन समिति के सदस्यगण

साइबर सुरक्षा कवच

■ मुंबई: साइबर क्राइम के नए ट्रेंड, इसके शिकार और बचने के उपाय के बारे में सेमिनार को मालाड के सुंदर देवी जिंदल कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज में NBT साइबर सुरक्षा कवच सेमिनार का आयोजन किया गया। साइबर एक्सपर्ट ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को साइबर क्राइम के बदल रहे ट्रेंड के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इससे बचाव का एकमात्र उपाय जागरूकता है।

सेमिनार में शिक्षक किरण भाने, सोर आशक वाराणसी और सुनंदा चेलानी मौजूद मौजूद रहीं। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट अनिल मिश्रा ने सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन फ्रॉड की जानकारी आमजन तक देने के साथ लोग ये पता कैसे लगा सकते हैं कि वे फ्रॉड का शिकार हो गए हैं। मोबाइल नेटवर्क के अच्छे कनेक्शनों को हर लोग वेरिफिकेशन करना चाहिए। विभिन्न साइबर क्राइम जैसे ऑनलाइन, ई-कॉमर्स, गिफ्ट वाउचर, केवाईसी, पुराना माल, सेक्सटॉर्शन वाटरे, सिम और, निवेश और रोमांस का हिस्सेदार से ही सबसे ज्यादा 70 से 80 प्रतिशत ऑनलाइन फ्रॉड के मामले दर्ज हो रहे हैं।

साइबर क्राइम में भौगोलिक सीमाएं नहीं: साइबर अपराधों और लेनदेन के बीच लोगों को जानकारी नहीं होती है। इस दौरान में साइबर क्राइम का बेस बढ़ रहा है। सुप्रीम एडवोकेट ट्रस्ट से जुड़े साइबर एक्सपर्ट प्रवीण जोशी ने डिजिटलाइजेशन, डिजीटल ट्रांजेक्शन और इसके साथ ऐसे साइबर तकनीक के बारे में विस्तार से बताया। फिशिंग, डेटा हैकिंग, सिमिलर ऑफर और ई-मेल सीमाओं को पहचानें और इससे सावधान रहने की जानकारी मोबाईल के जरिए दी। हेमकेशन ने साइबर क्राइम के बढ़ते ट्रेंड को जाहिर ने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए संवैधानिक सुरक्षाओं के जरिए से बचने का तरीका दिया।

NBT सेमिनार के साइबर सेफ्टी टिप्स

- किसी म्यूजिक और होम वाले डेटाबेस ऐप को डाउनलोड नहीं करें
- बैंक से कभी कोई लिंक नहीं भेजी जाती है, इसका ध्यान रखें
- नेट करने के लिए किसी से यूपीआई पिन साझा नहीं करें
- स्क्रीन शेयरिंग ऐप को डाउनलोड करने से बचें।
- मोबाइल नेटवर्क खाते का 2 स्टेप वेरिफिकेशन करें।

NBT साइबर सुरक्षा कवच सेमिनार से मिला हौसला

एनबीटी द्वारा चलाए जा रहे साइबर सेमिनार में जुड़कर मैं भी लोगों को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करने का काम करूंगा। लोगों को अधिक से अधिक जानकारी होनी चाहिए, तभी वे इस अपराध असर से बचे रह पाएंगे। वरना, मेरे जैसे लोगों का शिकार हो सकते हैं। यह कहे अभिषेक मिश्रा ने बताई, जो लोन ऐप का शिकार होकर मानसिक असंतुलन का कुछ दिन पहले सामना कर रहे थे। एनबीटी के सहयोग से अभिषेक साइबर अपराधियों के चंगुल से बाहर आए। अभिषेक ने सेमिनार के दौरान लोगों से लेक लोन ऐप के जरिए हुए फ्रॉड की जानकारी साझा की।

"मोबाइल नेटवर्क के जरिए होने वाले क्राइम से निपटने के लिए जागरूकता आवश्यक है। लोग अगर जानकारी होंगे तो साइबर अपराधों इनसे सावधानी बरतने की कोशिश भी करेंगे। ऐसी कई जानकारी एनबीटी सेमिनार में एक्सपर्ट्स से मिली है, जिसका उपयोग करना चाहिए।
-निकिता सरकार, जीडीएस, कालेजिया लायंस कॉलेज, मालाड

1930 पर कॉल करें किसी भी तरह के साइबर अपराध की शिकायत के लिए

साइबर क्राइम से सचेत करने का बेहतरीन मंच NBT सुरक्षा कवच

"कालेज की ग्रुप ऑनलाइन मार्गों के दौरान मेरे साथ ठगी के शिकार हो गए। एनबीटी सेमिनार में पता चला कि किसमें अपनी बैंक से पैसे निकाल लिए थे।
-निधि सिंह, छात्रा

"बैंकिंग, क्रिप्टोकरेंसी, डार्क वेब के बारे में जानकारी होनी चाहिए। मोबाइल नेटवर्क का परिचालन बढ़ाने ठगी के शिकार शिकायत करने की सेमिनार में जानकारी मिली है।
-सुमित शर्मा, छात्र

"अनपढ़ लोग इनके साथ साइबर क्राइम करते हैं, जबकि वो-लिखे लोग इनका शिकार बन रहे हैं। इसलिए इस तरह जुड़ाओं को संगठित करके जानकारी देनी चाहिए।
-नुरुन्नू खान, छात्र

"किसी भी लिंक को खोले बिना बिना ओटीपी नहीं करना चाहिए। अनजान से दोस्ती और किसी जानकारी से कभी भी साझा नहीं करनी चाहिए।
-रुनमू यादव, छात्र

"एनबीटी साइबर सेमिनार में युवाओं को हिस्सा लेना चाहिए। इस तरह के सेमिनार से अलग साइबर क्राइम के नए-नए तरीके एवं उनसे बचने के उपायों की जानकारी मिलती है।
-शिवम की सिंह, छात्रा

"साइबर अपराधियों के झांसे में आने से बचने के लिए इनके बारे में जानकारी रखना एकमात्र उपाय है। एनबीटी सेमिनार से जुड़कर हमारे साइबर क्राइम की कार्यशैली से अवगत हुए हैं।
-अनिल बागरे, सामाजिक

बनें...एनबीटी साइबर योद्धा

आप अपर साइबर अपराधों को रोकना चाहते हैं तो आप हमारी सीधी जुड़ जाइये हैं और एनबीटी साइबर योद्धा बन सकते हैं। ट्रेनिंग के बाद आप सकते हैं दूसरों की भी मदद

कैसे बनें साइबर योद्धा

1. एनबीटी साइबर योद्धा बनने के लिए आप वॉट्सऐप नंबर 61845 07131 पर मेसेज भेज दें। मेसेज में अपना नाम, पता और उम्र की जानकारी भी भेजें।
2. एनबीटी साइबर योद्धा बनने के लिए आप ईमेल भी कर सकते हैं। अपना नाम, मोबाइल नंबर और अपने बारे में सारी जानकारी nbtcyberkavach@timesgroup.com पर भेज दें। अपनी इस ईमेल के सब्जेक्ट में CYBER YODHA लिख दिजी।

इस QR कोड को स्कैन करके आप व्हाट्सऐप ग्रुप भी ज्वाइन कर सकते हैं। इसमें सुरक्षा संबंधी जानकारी दी जाती है।

सतर्क रहें, तभी सुरक्षित रहेंगे

"बड़े-बिगड़े लोग भी जानकारी से अनभिज्ञ मिलते, खासकर महिला, मिडिल सिनियर जुर्निल के नाम पर साइबर ठगी के शिकार बन रहे हैं, जबकि इनके बारे में काफी सहज जानकारी मिल सकती है। क्यों? क्योंकि अब जागरूक नहीं हैं।
-वीरेन्द्र कामडेरे, साइबर पुलिस अधिकारी, मालाड पुलिस स्टेशन

"एनबीटी की यह पहल सराहनीय है। लोगों को साइबर क्राइम से सावधान रहने की जरूरत है। अब साइबर अपराधियों के शिकार नहीं हो, इसलिए जागरूकता बनाने चाहिए। सबसे पहले पहले और अपने निजी जानकारी किसी को भी नहीं देनी चाहिए।
-कामेश्वरनाथ प. सरकार, एनटी न मालाड

"फेसबुक, वट्सऐप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, ब्लॉगिंग और इंस्टा जैसे सोशल साइट पुरुषवर्गों के लोगों को आपस-पहचान बनाने का सबसे साधन है। जैसे हम साइबर सुरक्षा और जागरूकता की सुरक्षा करते हैं, उसी तरह से साइबर सुरक्षा भी करनी होगी।
-अक्षय शरद सर्वाय, कालेजिया कॉलेज

"मोबाइल नेटवर्क सुरक्षा को मेरिकुलेट करना बहुत जरूरी चाहिए। एक से दो महीने में अपने सभी मोबाइल नेटवर्क खाते के पासवर्ड को बदल लेना चाहिए। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को सबके जानने की वजह से होने वाले साइबर ठगी से सावधान रहना चाहिए।
-प्रवीण जोशी, साइबर एक्सपर्ट